



Nirali

24 Nov 1992

04:00 AM

Mani Nagar

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 121874301

## लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

लिंग \_\_\_\_\_: स्त्रीलिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 23-24/11/1992  
दिन \_\_\_\_\_: सोम-मंगलवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 04:00:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 52:33:26 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Mani Nagar  
राज्य \_\_\_\_\_: Gujarat  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 22:59:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 72:36:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:39:36 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 03:20:24 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:13:33 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 07:32:57 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:58:37 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 17:53:32 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 10:54:55 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: हेमन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 08:08:12 वृश्चिक  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 27:32:40 कन्या

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: कन्या - बुध  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: वृश्चिक - मंगल  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: विशाखा - 4  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: गुरु  
योग \_\_\_\_\_: अतिगण्ड  
करण \_\_\_\_\_: नाग  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: व्याघ्र  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: विप्र  
वश्य \_\_\_\_\_: कीटक  
वर्ग \_\_\_\_\_: सर्प  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: जल  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: तो-तोरल  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: ताम्र - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: धनु

## पंचांग

दादा का नाम \_\_\_\_\_ :  
पिता का नाम \_\_\_\_\_ :  
माता का नाम \_\_\_\_\_ :  
जाति \_\_\_\_\_ :  
गोत्र \_\_\_\_\_ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1914	मार्गशीर्ष	3
पंजाबी	संवत : 2049	मार्गशीर्ष	10
बंगाली	सन् : 1399	मार्गशीर्ष	8
तमिल	संवत : 2049	कार्तिक	9
केरल	कोल्लम : 1168	वृश्चिक	9
नेपाली	संवत : 2049	मार्गशीर्ष	9
चैत्रादि	संवत : 2049	मार्गशीर्ष	कृष्ण 15
कार्तिकादि	संवत : 2049	कार्तिक	कृष्ण 15

### पंचांग

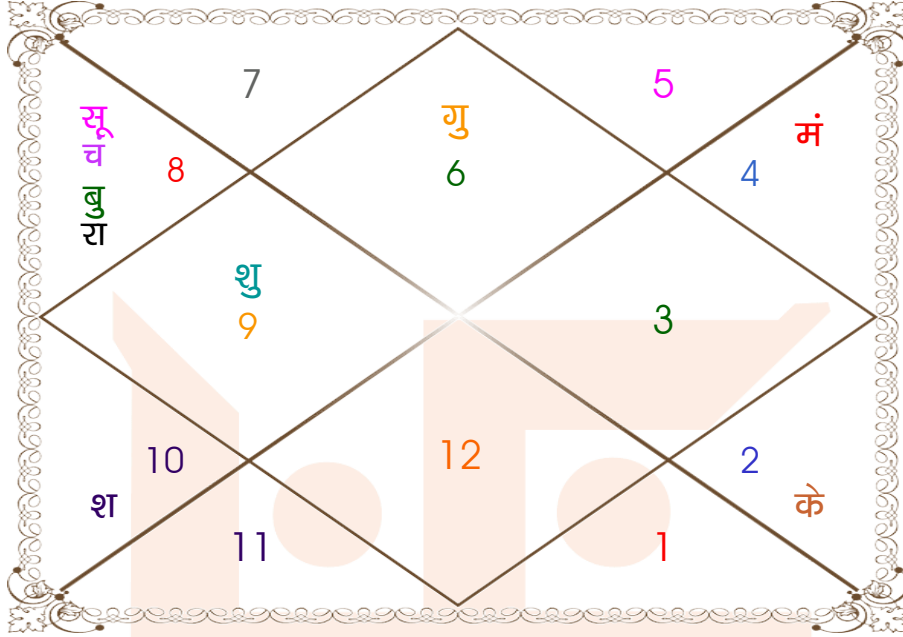
सूर्योदय कालीन तिथि \_\_\_\_\_ : 14  
तिथि समाप्ति काल \_\_\_\_\_ : 15:50:03  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : 15  
सूर्योदय कालीन नक्षत्र \_\_\_\_\_ : विशाखा  
नक्षत्र समाप्ति काल \_\_\_\_\_ : 29:22:20 घंटे  
जन्म योग \_\_\_\_\_ : विशाखा  
सूर्योदय कालीन योग \_\_\_\_\_ : शोभन  
योग समाप्ति काल \_\_\_\_\_ : 21:24:26 घंटे  
जन्म योग \_\_\_\_\_ : अतिगण्ड  
सूर्योदय कालीन करण \_\_\_\_\_ : शकुनि  
करण समाप्ति काल \_\_\_\_\_ : 15:50:03 घंटे  
जन्म करण \_\_\_\_\_ : नाग  
भयात \_\_\_\_\_ : 54:52:56  
भभोग \_\_\_\_\_ : 58:18:46  
भोग्य दशा काल \_\_\_\_\_ : गुरु 0 वर्ष 11 मा 5 दि

### घात चक्र

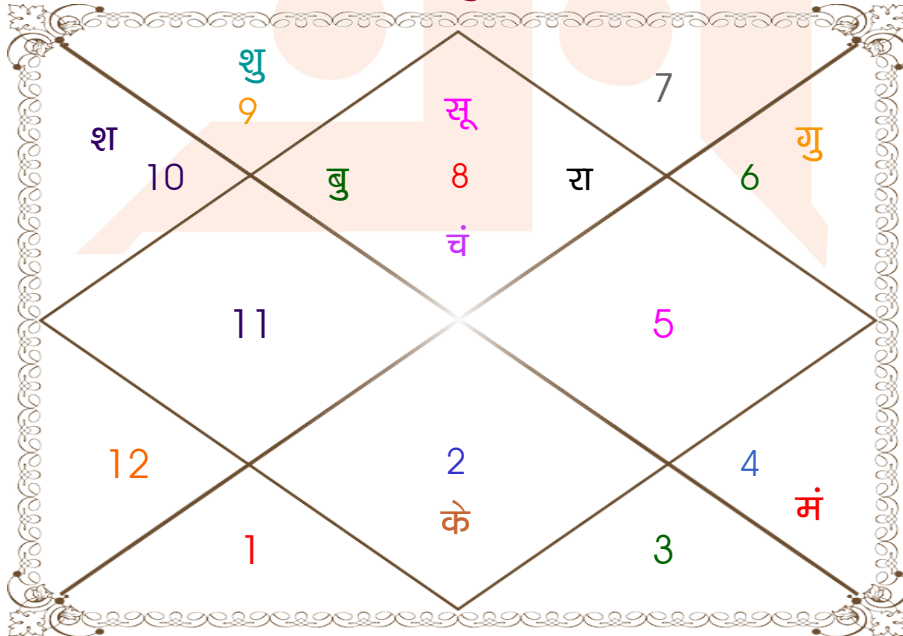
मास \_\_\_\_\_ : आश्विन  
तिथि \_\_\_\_\_ : 1-6-11  
दिन \_\_\_\_\_ : शुक्रवार  
नक्षत्र \_\_\_\_\_ : रेवती  
योग \_\_\_\_\_ : व्यतिपात  
करण \_\_\_\_\_ : गर  
प्रहर \_\_\_\_\_ : 1  
वर्ग \_\_\_\_\_ : गरुड़  
लग्न \_\_\_\_\_ : वृश्चिक  
सूर्य \_\_\_\_\_ : मकर  
चन्द्र \_\_\_\_\_ : धनु  
मंगल \_\_\_\_\_ : कुम्भ  
बुध \_\_\_\_\_ : वृश्चिक  
गुरु \_\_\_\_\_ : मीन  
शुक्र \_\_\_\_\_ : मेष  
शनि \_\_\_\_\_ : कर्क  
राहु \_\_\_\_\_ : वृष

# जन्म कुण्डली

## लग्न कुण्डली



## चन्द्र कुण्डली



## लग्न कुण्डली और दशा

### लग्न कुंडली

		के	
			मं
श			
शु	य व. सू बे		गु ल

### लग्न कुंडली

के		
मं		श
ल गु		शु रा

विंशोत्तरी  
गुरु 0वर्ष 11मा 5दि  
गुरु

24/11/1992

30/10/2097

गुरु	30/10/1993
शनि	30/10/2012
बुध	30/10/2029
केतु	30/10/2036
शुक्र	30/10/2056
सूर्य	31/10/2062
चन्द्र	30/10/2072
मंगल	31/10/2079
राहु	30/10/2097

योगिनी  
धान्या 0वर्ष 2मा 3दि  
धान्या

27/01/2026

27/01/2029

धान्या	28/04/2026
भ्रामरी	28/08/2026
भद्रिका	27/01/2027
उल्का	29/07/2027
सिद्धा	27/02/2028
संकटा	27/10/2028
मंगला	27/11/2028
पिंगला	27/01/2029

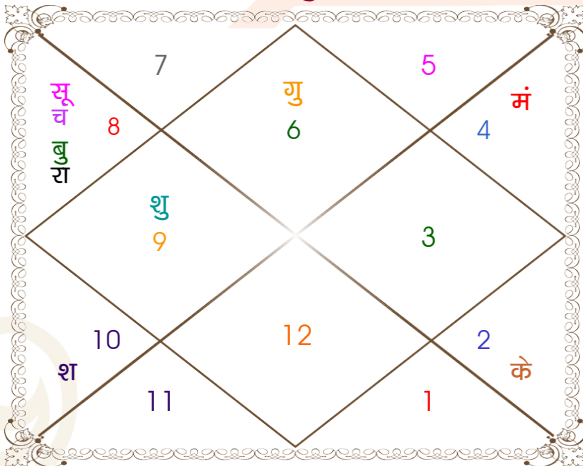
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	कन्या	27:32:40	---	--	--	--	नेक
सूर्य	वृश्चिक	08:08:12	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
चन्द्र	वृश्चिक	02:33:21	नीच राशि	--	--	--	मन्दा
मंगल	कर्क	03:41:23	नीच राशि	--	--	--	नेक
बुध	वृश्चिक	03:25:44	सम राशि	--	--	--	मन्दा
गुरु	कन्या	14:48:38	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	धनु	18:42:13	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
शनि	मकर	19:18:41	स्वराशि	--	--	--	मन्दा
राहु	वृश्चिक	27:44:59	शत्रु राशि	--	--	हाँ	मन्दा
केतु	वृष	27:44:59	सम राशि	--	--	--	नेक

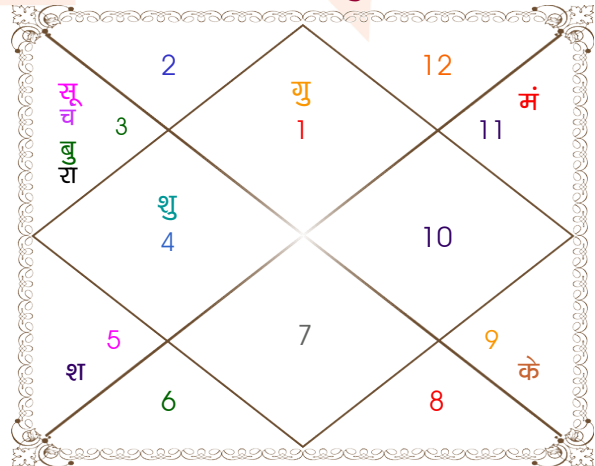
### भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	हाँ	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	हाँ	शुक्र,केतु	बुध,राहु

### लग्न कुंडली



### लालकिताब कुंडली



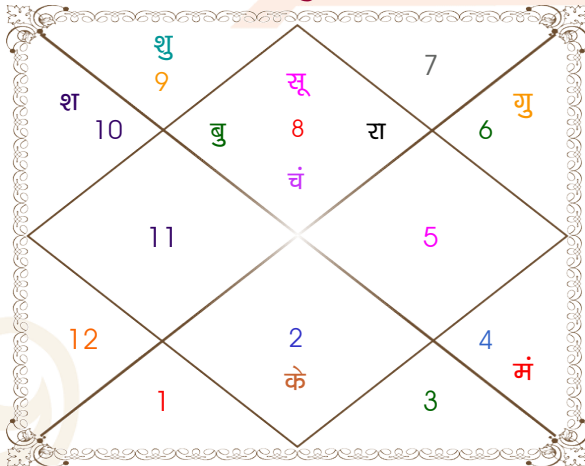
## मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

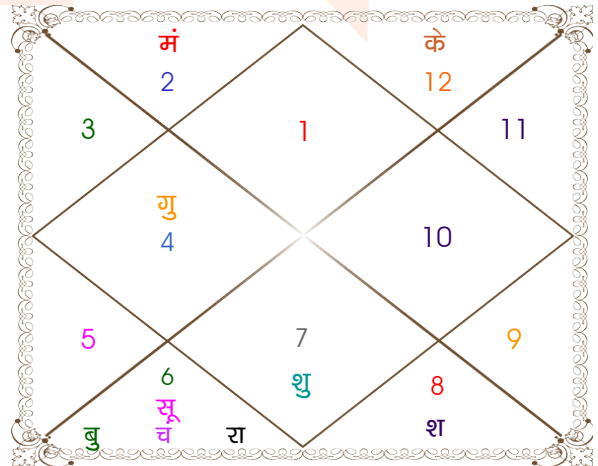
## ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	धन का राजा ।	--
चंद्र	चोर तथा मौत का रक्षक ।	--
मंगल	दूध से पला हुआ पालतू शेर ।	--
बुध	थूकने वाला, कोढ़ी मंदा ।	--
गुरु	राजगुरु या गद्दीनशीं साधु ।	--
शुक्र	खुशकी का सफर ।	राशि
शनि	कच्चे खाने वाला सांप ।	--
राहु	आयु और धन का मलिक और रईस	--
केतु	बाप का हुक्म मानने वाला बेटा ।	--

## चन्द्र कुंडली



## लालकिताब चन्द्र



## लालकिताब दशा

<b>शनि 6 वर्ष</b> 24/11/1992 24/11/1998	<b>राहु 6 वर्ष</b> 24/11/1998 24/11/2004	<b>केतु 3 वर्ष</b> 24/11/2004 24/11/2007	<b>गुरु 6 वर्ष</b> 24/11/2007 24/11/2013	<b>सूर्य 2 वर्ष</b> 24/11/2013 24/11/2015
राहु 24/11/1994 बुध 24/11/1996 शनि 24/11/1998	मंगल 24/11/2000 केतु 24/11/2002 राहु 24/11/2004	शनि 24/11/2005 राहु 24/11/2006 केतु 24/11/2007	केतु 24/11/2009 गुरु 24/11/2011 सूर्य 24/11/2013	सूर्य 25/07/2014 चंद्र 26/03/2015 मंगल 24/11/2015
<b>चंद्र 1 वर्ष</b> 24/11/2015 24/11/2016	<b>शुक्र 3 वर्ष</b> 24/11/2016 24/11/2019	<b>मंगल 6 वर्ष</b> 24/11/2019 24/11/2025	<b>बुध 2 वर्ष</b> 24/11/2025 24/11/2027	<b>शनि 6 वर्ष</b> 24/11/2027 24/11/2033
गुरु 25/03/2016 सूर्य 25/07/2016 चंद्र 24/11/2016	मंगल 24/11/2017 शुक्र 24/11/2018 बुध 24/11/2019	मंगल 24/11/2021 शनि 24/11/2023 शुक्र 24/11/2025	चंद्र 25/07/2026 मंगल 26/03/2027 गुरु 24/11/2027	राहु 24/11/2029 बुध 24/11/2031 शनि 24/11/2033
<b>राहु 6 वर्ष</b> 24/11/2033 24/11/2039	<b>केतु 3 वर्ष</b> 24/11/2039 24/11/2042	<b>गुरु 6 वर्ष</b> 24/11/2042 24/11/2048	<b>सूर्य 2 वर्ष</b> 24/11/2048 24/11/2050	<b>चंद्र 1 वर्ष</b> 24/11/2050 24/11/2051
मंगल 24/11/2035 केतु 24/11/2037 राहु 24/11/2039	शनि 24/11/2040 राहु 24/11/2041 केतु 24/11/2042	केतु 24/11/2044 गुरु 24/11/2046 सूर्य 24/11/2048	सूर्य 25/07/2049 चंद्र 26/03/2050 मंगल 24/11/2050	गुरु 26/03/2051 सूर्य 26/07/2051 चंद्र 24/11/2051
<b>शुक्र 3 वर्ष</b> 24/11/2051 24/11/2054	<b>मंगल 6 वर्ष</b> 24/11/2054 24/11/2060	<b>बुध 2 वर्ष</b> 24/11/2060 24/11/2062	<b>शनि 6 वर्ष</b> 24/11/2062 24/11/2068	<b>राहु 6 वर्ष</b> 24/11/2068 24/11/2074
मंगल 24/11/2052 शुक्र 24/11/2053 बुध 24/11/2054	मंगल 24/11/2056 शनि 24/11/2058 शुक्र 24/11/2060	चंद्र 25/07/2061 मंगल 26/03/2062 गुरु 24/11/2062	राहु 24/11/2064 बुध 24/11/2066 शनि 24/11/2068	मंगल 24/11/2070 केतु 24/11/2072 राहु 24/11/2074
<b>केतु 3 वर्ष</b> 24/11/2074 24/11/2077	<b>गुरु 6 वर्ष</b> 24/11/2077 24/11/2083	<b>सूर्य 2 वर्ष</b> 24/11/2083 24/11/2085	<b>चंद्र 1 वर्ष</b> 24/11/2085 24/11/2086	<b>शुक्र 3 वर्ष</b> 24/11/2086 24/11/2089
शनि 24/11/2075 राहु 24/11/2076 केतु 24/11/2077	केतु 24/11/2079 गुरु 24/11/2081 सूर्य 24/11/2083	सूर्य 25/07/2084 चंद्र 25/03/2085 मंगल 24/11/2085	गुरु 26/03/2086 सूर्य 25/07/2086 चंद्र 24/11/2086	मंगल 24/11/2087 शुक्र 24/11/2088 बुध 24/11/2089
<b>मंगल 6 वर्ष</b> 24/11/2089 24/11/2095	<b>बुध 2 वर्ष</b> 24/11/2095 24/11/2097	<b>बुध 2 वर्ष</b> 24/11/2095 24/11/2097	<b>बुध 2 वर्ष</b> 24/11/2095 24/11/2097	<b>बुध 2 वर्ष</b> 24/11/2095 24/11/2097
मंगल 24/11/2091 शनि 24/11/2093 शुक्र 24/11/2095	चंद्र 25/07/2096 मंगल 25/03/2097 गुरु 24/11/2097	चंद्र 25/07/2096 मंगल 25/03/2097 गुरु 24/11/2097	चंद्र 25/07/2096 मंगल 25/03/2097 गुरु 24/11/2097	चंद्र 25/07/2096 मंगल 25/03/2097 गुरु 24/11/2097

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।  
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

## टेवे की श्रेणी

### रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

### धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

### नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

### निष्कर्ष

आपकी पत्री नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

## लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

### स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

### निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्वऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या अधिक से अधिक दस-दस रुपये जितने भी रुपये सभी दे सकें) इकट्ठा कर के धर्म स्थान पर सामूहिक यज्ञ करें।

### मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का

अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

### पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

### कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

### निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है। सबसे बराबर-बराबर पीली कौड़ियां लेकर उसी दिन एक जगह इकट्ठी करके जला कर उनकी राख उसी समय जल में प्रवाहित कर देना।

### पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी पितृऋण से मुक्त है।

### स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का

उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

### निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

### निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

### आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्री आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

### ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्री ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

## लाल किताब ग्रह फल

### सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सूर्य तीसरे खाने में है। इसकी वजह से आपके ऊपर परिवार की अधिक जिम्मेदारियों का पता चलता है और आपकी बहादुरी का आभास भी मिलता है अर्थात् आप दूसरों की मदद जहां तक कर सकती हैं करेंगी तथा दूसरे लोगों के बर्ताव में आप कहां तक बहादुरी प्रकट सकती हैं करेंगी। आपके घर में आराम के साधन पूरे होंगे। आप उत्साही और फुर्तीली महिला हैं। आपकी दृष्टि की शक्ति अच्छी है। आप अपने घर में रखी पिस्तौल, बंदूक हथियार आदि सावधानी से रखें। आपके भाई-बंधु और रिश्तेदारों की आर्थिक दशा अच्छी रहेगी। आप अधिक धन खर्च करेंगी। आपके भाई-बहन कई होंगे। आपके पति के भाई की आर्थिक हालत अच्छी रहेगी। पति के भाई से अच्छे संबंध रहेंगे और उससे लाभ होगा। आप बाग-बगीचा और फलदार वृक्ष लगाएंगी। युवावस्था में आपको कलह से दूर रहना चाहिये। जवानी में बहुत तरक्की करेंगी। गणित और ज्योतिष विद्या में रुचि, सरकारी विभाग से लाभ, मुकद्दमें में जीत होगी।

यदि आपने परिवार वालों से झगड़ा किया, समाज में लोगों को गुमराह किया, ससुराल वालों को तंग किया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से आपके घर में चोरी या बीमारी की आशंका रहेगी। आपके शत्रु भी अधिक होंगे। आपकी किस्मत में उतार-चढ़ाव भी आ सकता है। आपके घर का मुख्य दरवाजा दक्षिण दिशा होना अशुभ है। आपका धन आपकी आंखों के सामने चोरी हो सकता है। ससुराल पर मंदा असर रहेगा। बिना लिखा-पढ़ी के आर्थिक लेन-देन से अशुभ फल होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोरी के माल से दूर रहें।
2. बुरे काम न करें।

उपाय :

1. माता-सास का आर्शीवाद लें।
2. परपुरुष से अनैतिक संबंध न रखें।

### चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में चंद्रमा पड़ा है। इसकी वजह से मैदाने जंग में हार या हानि नहीं होगी। आप मधुरभाषिणी, परिश्रमी, सच्चरित्र, मृत्युरक्षक एवं भातृ सुख से पूर्ण रहेंगी। चंद्रमा आपके सहायक हैं। चोरी से बचाव होगा। भाई से धन-दौलत प्राप्त होगी। जन्मदिन के बाद का हर तीसरा महीना श्रेष्ठ रहेगा। आप साहसी होंगी। हर प्रकार की शरारत का जवाब देने की आप में क्षमता होगी। आपके मन में शांति रहेगी। सांसारिक जीवन में भी

आप योगी जैसे स्वभाव की होंगी। यदि आप साधू हो जाएं तो ऋद्धि-सिद्धि की साधना की मालकिन होंगी। गृहस्थी, धन-दौलत की भंडारी होंगी। आपके परिवार में स्त्रियों की संख्या अधिक होगी। आपके घर में पुरुषों की इज्जत होगी तो आपका भाग्योदय होगा। आपका पति से प्रेम और सेवा उत्तम फल देगी। कुदरत लंबे हाथों से आपकी मदद करेगी। गरीबों पर तरस खाएंगी। आपके पिता/ससुर को कम और माता/सास को अधिक सुख मिलेगा। माता-पिता/सास-ससुर में से एक की लंबी आयु होगी। दिमागी शक्ति अच्छी रहेगी। लड़की की शादी में उसके ससुराल वालों से पैसा लेना जहर जैसा असर देगा। आप सरकार या विद्यापीठ से सम्मानित होंगी। आपको शतरंज-तैराकी का शौक हो सकता है।

यदि आप होस्टल वार्डनर हैं और विद्यार्थियों का सामान खुर्द-बुर्द किया, रिश्तेदारों का विरोध किया, भाई-बहन का हिस्सा दबाया या ब्याही बहन का धन लेकर वापिस न किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से भाई-बहन को अपमानित किया या भाई-बहन को दुःखी किया तो आपके घर में चोरी का भय और यात्रा में हानि हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बहन-भाई/ननद से झगड़ा न करें।
2. यतीमों का सामान हड़प न करें।

उपाय :

1. लड़की/बहन के विवाह में कन्यादान करें।
2. लड़के के जन्म पर गुड़-गेहूं-तांबा दान करें।
3. लड़की के जन्म पर दूध-चावल-चांदी का दान करें।
4. दुर्गापाठ या कन्याओं की सेवा करें।

### मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप न्यायप्रिय, साहसी, पशुपालक, व्यापारी होंगी। आपका स्वास्थ्य उम्दा रहेगा। अपनी किस्मत स्वयं बनाने वाली होंगी। आप अधिक लाभ प्राप्त करेंगी। आपके जीवन में आपकी 28वें वर्ष से लगातार 42वें वर्ष तक की आयु तक खूब धनागम होगा। आर्थिक दशा में राजा के समान होंगी। आपके भाग्य के कारण छोटी उम्र में ही पिता के घर धन का भंडार लग जायेगा। आपका व्यवसाय या नौकरी ऊंचे दरजे की होगी। आपको पुत्र-पौत्र का सुख मिलेगा। आपके जीवन में बुरा असर कम पड़ेगा। कई प्रकार से आमदनी का स्रोत होगा। अपनी कमाई से भूमि-भवन प्राप्त करेंगी। आपको शत्रुओं को दबा कर रखना पड़ेगा। आपको सुख-सुविधाओं की कमी नहीं रहेगी। फकीरी वेश-भूषा में रह कर भी आपकी आध्यात्मिक शक्ति अच्छी होगी।

यदि आपने माता-पिता, संबंधियों से झगड़ा किया, भाई-बन्धुओं से जमीन जायदाद

के लिये मुकद्दमा किया, किसी से काम करवा कर उसका मेहनताना नहीं दिया तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से भाई-बंधुओं से जमीन-जायदाद, धन संबंधी झगड़े का भय रहेगा। अगर आपका चाल-चलन ठीक न रहे तो आमदनी होते हुये भी कर्जदार होंगी, संपत्ति बर्बाद होगी। आपके बच्चे झगड़ालू होंगे या परिवार में बच्चा गोद लेना भी पड़ सकता है। उसके आगे के जीवन में कुछ भी बुराइयां नहीं रहेंगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. भाई-बंधुओं पर भरोसा न करें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

उपाय :

1. जीजा-साला-भांजा या दोहता की सेवा करें।
2. मिट्टी के बर्तन में शहद या सिंदूर भर कर घर में रखें।

### बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध तीसरे खाने में है। इसकी वजह से आप सदैव यात्रा करेंगी। चिकित्सा कार्य में यश की भागी बनेंगी। मित्र एवं संबंधियों का सहयोग प्राप्त होगा। मिश्रित रूप से उत्तम फल प्राप्ति के योग हैं। आप सगे संबंधियों के अतिरिक्त अन्य लोगों के लिए शुभ हैं। आपके संपर्क के लोगों को लाभ प्राप्त होगा। आपको धन के लिए उत्तम फल प्राप्त होते हैं। आप फलों के काम, कृषि कार्य, कांसे के बर्तनों का काम तथा पशु पालन कार्य से लाभ प्राप्त करेंगी। संतान एवं मातृपक्ष के परिवारों के लिए आप लाभदायक हैं। आप में दमा के रोगी को ठीक करने की कला है। आप नौकरी व्यापार में प्रगति करेंगी। आप लड़ाई-झगड़े से परहेज करेंगी तथा आप लड़ाई-झगड़े का दुःसाहस भी नहीं करेंगी। यद्यपि आप भयातुर नहीं रहेंगी। बुरे कार्यों से तटस्थ रहने का प्रयास करेंगी। किसी कार्य को प्रारंभ करने में अनेक विचार उत्पन्न होंगे तथा निर्णय लेने में सहायता की अपेक्षा करेंगी। आप अपनी बुद्धि का प्रयोग करने में भी संकोच नहीं करेंगी।

यदि आपको मूंग खाने का शौक हुआ, ननद-बहन/लड़की का धन उपयोग किया, चौड़े पत्तों का वृक्ष आपके घर में हुआ, घर का दरवाजा दक्षिण दिशा में हो तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपका जीवन धूमिल है। आपको भाई-बहन का सुख कम प्राप्त होगा। भाई-बहन से झगड़ा हो सकता है। आपकी भाग्योन्नति में अवरोध उत्पन्न होते रहेंगे। संतान-सुख विलंब से मिलेगा। जुबान में तोतलापन आ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. ननद-मामा से झगड़ा न करें।
2. चौड़े पत्तों का वृक्ष घर में न लगावें।

उपाय :

1. दुर्गा पूजन या कन्याओं की सेवा करें।
2. तोता पालें या तोते को चूरी खिलायें।

## गुरु

आपकी कुंडली में वृहस्पति पहले खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप एक पढ़ी-लिखी या उपदेशिका या गुरु भी हो सकती हैं। आप विद्वान, अच्छी बुद्धि की संतान युक्त, शासन द्वारा सम्मान पाने वाली बड़प्पन से युक्त होंगी। विद्या के माध्यम से अपनी आजीविका चलाएंगी। पैतृक/ससुराल धन से भी धनी होंगी। यदि आपकी शिक्षा कम भी होगी तो भी आपको धन प्राप्त होता रहेगा। आप पैसे की वजह से नहीं, करामाती गुण से सम्मान पाएंगी। आप ऊंचे लोगों के साथ रह कर अपनी दिमागी शक्ति और राजदरबार से संबंधित रह कर, सम्मान प्राप्त करेंगी। शादी के बाद आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी और भाग्योदय होगा। आप अपनी कमाई से नया मकान बनवाएंगी। आपको बहुत जायदाद का लाभ होगा। आप स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगी। उम्र बढ़ने के साथ-साथ सुख में भी वृद्धि होगी। आपके पति आपके आज्ञाकारी और सेवक रहेंगे।

यदि आपने विद्या अधूरी छोड़ दी, लोगों की व्यर्थ निंदा की, मुफ्त माल या दान आदि से जीवन व्यतीत करना शुरू किया, छोटी आयु में शराब-बीयर पीना शुरू कर दिया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से अप्रत्याशित घटनाओं एवं अव्यवस्था से सतर्क रहें। विद्या में रुकावट, आपके पिता/ससुर की मौत दमा या दिल की बीमारी या मानसिक रोग से हो ऐसी आशंका है। आपको श्वास या दमे की बीमारी होगी। प्रथम पुत्र संतान की प्राप्ति से अशुभ फल प्राप्त होने की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त माल गिफ्ट या दान न लें।
2. किस्मत पर भरोसा रखें।

उपाय :

1. केसर/हल्दी का तिलक करें।
2. बुजुर्गों का आशीर्वाद लें।
3. विद्या बी. ए. या समकक्ष जरूर पढ़ें।

## शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र चौथे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप धनवान होंगी। पति, संतान सुख मिलेगा और स्वस्थ एवं खुश रहेंगी। आपकी यात्राएं अधिक और सफल होंगी। आपके पति अपनी इच्छा से सभी काम करेंगे। विवाह के बाद घर में कुआं खुदवाना शुभ रहता है। आपके पति और संतान का बुरा प्रभाव 34 वर्ष की आयु में दूर होगा। शादी के चार साल तक खूब ऐशो आराम पाएंगी। आप में आध्यात्मिक रुचि और शक्ति निश्चित होगी। आपको राजयोग के संयोग से जीवन में सुख प्राप्त होगा। यदि आप मामा और मौसी के कारोबार में साथ दें तो उनका व्यापार सफल होगा। आपको उत्तम भवन और वाहन सुख मिलेगा। माता/सास स्वस्थ और बहुत दिनों तक आपको सुख देंगी। आप अपने खानदान या गांव, देश-विदेश में प्रसिद्ध होंगी। आप उत्तम भोजन, भ्रमण एवं शयन की शौकीन होंगी। नौकरी-व्यापार पर भी अच्छा प्रभाव पड़ेगा। सामान्यतया आप सरकारी विभाग से लाभ पायेंगी, उच्च पद तथा राजकीय सुख से युक्त रहेंगी।

यदि आपने सुरमें से संबंधित काम किया, 21-22, 24-25 वर्ष आयु में विवाह किया, मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपकी माता और आपके पति में झगड़ा होता रहेगा। आपके लिए इश्क और प्रेम तबाही का कारण बनेगा। आपके पति आपके खानदान के लिए मनहूस होंगे। गंदे प्रेम संबंध का बुरा फल मिलेगा। आप नशा आदि में पड़ कर बर्बाद हो सकती हैं। जीवन में दो विवाह संभव हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज खराब न होने दें।

उपाय :

1. कुएं में केसर डालें।
2. चार आड़ू की गुठली में सुरमा भर कर वीराने में दबायें।

## शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि पांचवें खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से मकान बनवाना संतान के लिए हानिकारक है। यदि मकान बन जाए तो 48 वर्ष तक आपको संतान सुख नहीं होगा या संतान से संबंधित मुसीबत हो सकती है। आपकी संतान मकान बनाये तो लाभ रहेगा। आपका स्वभाव धर्म देवी के समान है और स्वभाव से भोली-भाली होंगी लेकिन काम करने में चतुर होंगी। आपकी आर्थिक हालत सुधरेगी। अभिमान और अक्ल की बारीकी से अपनी जिंदगी को कामयाब बनाएंगी। आपकी किस्मत अच्छी होगी। आप अपनी मर्जी की मालकिन होंगी। आप काम-काज बड़ी सफाई से करेंगी। आपकी प्रबंध व्यवस्था अच्छी होगी।

अधिक संतान सुख की संभावना कम है। आप राजकीय सेवा में हैं तो आपको राज्य पक्ष से लाभ होगा। आप तकनीकी कामों से संबद्ध रहेंगी इसलिए आपकी पूछ हर जगह होगी। आपकी तरक्की भी होगी। कोई जमीन से या आकस्मिक धन प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

यदि आपने 48 वर्ष से पहले मकान बनाया, भाई-बंधुओं आदि से चोरी-ठगी की, आपके शरीर पर अधिक बाल हुए मांस-मदिरा का सेवन किया तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से शराब-मछली का सेवन करने से खानदान नष्ट हो जाने का भय होता है। आपको सांप से डंक का भय है। आपकी आर्थिक हालत पर बुरा असर पड़ सकता है। 48 वर्ष आयु तक पुत्र या मकान दोनों में से एक का सुख मिलेगा। विवाह एक से अधिक होने पर भी संतान सुख नहीं मिलेगा या बच्चा गोद लेना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. शराब-मांस-मछली का सेवन न करें।
2. 48 वर्ष आयु से पहले मकान न बनावें।

उपाय :

1. सोना-केसर पास रखें।
2. सांप को दूध पिलावें।

## राहु

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आपका भविष्य उज्ज्वल रहेगा। आपका सितारा बुलंद रहेगा। आपके सामने दुश्मन सिर नहीं उठा सकेंगे। आप अपने जीवन में भविष्य की घटने वाली घटना को पहले ही जान जाएंगी। किसी भी घटना के बारे में भविष्य का हाल दो वर्ष पहले जान जाएंगी। आपके सभी अरमान पूरे होंगे। आपकी कलम से लिखी बात में तलवार से भी पैनी धार साबित होगी। काफी धन-संपत्ति की स्वामिनी और शत्रुहंता होंगी। संतान का पूरा सुख मिलेगा। आपके जीवन का 22वां वर्ष उन्नतिकारक होगा। आप शाही जीवन बिताएंगी। आप धर्म में कम श्रद्धा रखेंगी। आप अपनी उम्र में पूरी तरह सुखी होंगी। आपका हौसला बुलंद रहेगा। आप दिलेर और निर्भय रहेंगी। आपकी गिनती बड़े लोगों में होगी। पति-दौलत का अच्छा सुख मिलेगा। आपकी औलाद भी धनवान होगी।

यदि आपने अपने पास या घर में हाथी दांत रखा, हाथियों के 3-3 खिलौने रखे, हाथियों से संबंधित कामों का व्यापार किया, बहन-बेटी-ननद का धन प्रयोग किया तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से घर में कोई पुरुष विधुर हो सकता है। आपके भाई के लिए इस ग्रह का फल मंदा रहेगा। आपका भाई धोखाधड़ी करके आपका धन हड़प लेगा। आप पर कर्ज का बोझ पड़ेगा परंतु अपनी बुद्धिमता से कर्ज का बोझ उतार लेंगी। नौकरी-व्यापार में परेशानी होगी, संतान पर 34 वर्ष आयु तक बुरा

फल हो, ऐसी आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. हाथी दांत पास न रखें।
2. तीन-तीन हाथी के खिलौने घर में न रखें।

उपाय :

1. ठोस चांदी घर में न रखें।
2. कन्याओं की सेवा या दुर्गा पाठ करें।

### केतु

आपकी जन्मकुंडली के नौवें खाने में केतु पड़ा है। जिसकी वजह से आपकी प्रगति होती रहेगी तबदीली कम होगी। आप पिता/ससुर की आज्ञाकारिणी होंगी। सामने वाले व्यक्ति के मन को भाप लेंगी। आप धनवान और भाग्यवान होंगी। आप जन्मस्थान से दूर रहेंगी। आपकी संतानें दूरदर्शी होंगी। आपकी 48 वर्ष की आयु तक पिता/ससुर की स्थिति अच्छी रहेगी। आप बलवान, भरोसेमंद और अपनी कमाई से बड़ी महिला बनेंगी। आप समाज सेविका होंगी। आपका जीवन परदेश में बीतेगा। धन-संपत्ति और घर के प्रभाव की वृद्धि होगी। आपकी सोलह वर्ष आयु के बाद शुभ असर शुरु होगा। आप अपने बेटे की सलाह से कोई काम करेंगी तो शुभफल प्राप्त होगा। आप माता-पिता/सास-ससुर और खानदान को तारेंगी। आपका अपना अच्छा रुतबा रहेगा। आप कोई बड़ी अफसर बन सकती हैं। आपके यदि पुत्र होंगे तो दीर्घायु होंगे। आपका आर्शीवाद निःसंतान को पुत्रवान बना सकता है।

यदि आपने कुत्ते को चोट मारी या कुत्ते से नफरत की, चोर-डाकू को यदि आप साथ रखेंगी, परपुरुष से चाल-चलन खराब करेंगी तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से शारीरिक कष्ट या जोड़ का दर्द होगा। धन की चिंता बनी रहेगी। प्रगति कम और तबदीली अधिक होगी। विवाह के 7 वर्ष बाद संतान पैदा हो, ऐसी आशंका है। आपकी बहन को पुत्र प्राप्ति न होगी या पुत्र सुख न होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोर-डाकू का साथ न रखें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

उपाय :

1. शुद्ध सोने की कानों में ननतियां पहनें।
2. शुद्ध सोने की चौरस ईंट घर में रखें।



# लाल किताब वर्षफल 2026-2027

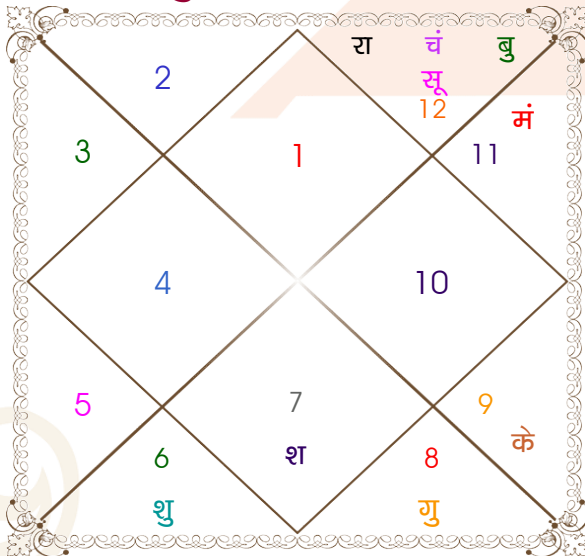
वर्तमान आयु - 35  
वर्तमान दशा - बुध

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	मन्दा
शनि	--	--	--	मन्दा
राहु	--	--	हाँ	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

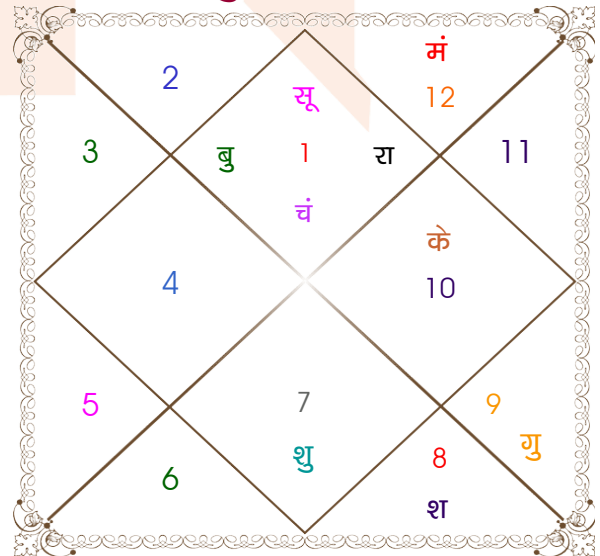
## भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	हाँ	हाँ	हाँ	--	--	--	--	हाँ	--	--

## वर्ष कुंडली 2026 - 2027



## वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



## लाल किताब वर्षफल 2026-2027

### सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष आंखों में कष्ट का भय है। नीच या विधुर पुरुष से संबंध आपको हानि होगी, बिजली का सामान मुफ्त या गिफ्ट न लेवें। किसी की अमानत में ख्यानत न करें आप भी ख्याल रखें कि आपकी अमानत में ख्यानत न हो। मकानों से संबंधित और मैकेनिकल काम में हानि हो सकती है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. जल में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य दें।
2. भूरी चीटियों को सूर्यास्त के समय त्रिचौली (शक्कर-तिल-चावल का टुकड़ा) डालें।

### चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके सभी काम तरस-तरस कर बनेंगे, विद्या संबंधी कामों में रुकावट हो सकती है, आपकी बात बदलने की आदत बनेगी, व्यतीत समय की बातें लोगों को सुना कर अपनी बढ़ाई करेंगी। 'अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना' जैसी कहावत आप पर चरितार्थ हो सकती है। मुकदमों में हार का भय रहेगा।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. नीम के वृक्ष का पानी या आसमानी बर्फ (ओले) शीशे के बर्तन में कायम कर घर में रखें।
2. 16 लीटर वर्षा का पानी कनस्तर में भरकर 4 शुद्ध चांदी के चौरस टुकड़े डाल कर रखें।

### मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका स्वभाव न्यायप्रिय रहेगा, अपनी किस्मत स्वयं अपने हाथों से बनाएंगी, कारोबार में तरक्की होगी, जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा और इस वर्ष आपको सभी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। पुत्र-पौत्र/दोहता-दोहती का सुख मिलेगा, आपको शत्रुओं से कोई भय नहीं रहेगा या शत्रु भी मित्र बन जायेंगे।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किसी पर भी भरोसा न करें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

## बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष मादक द्रव्यों या चीजों का प्रयोग आपको बदजुबान बना सकता है, आपकी वाणी कर्कश या गाली-गलोज करना आपके लिये हानिकारक है। ख्याली कारोबार (सोच-विचार कर करने वाले काम) या तंबोला/जुआं, लाटरी, शेयर आदि के काम आपके लिये अनुकूल नहीं है। भ्रम या अज्ञानता के कारण आपका नुकसान हो सकता है।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. स्टील की बेजोड़ अंगूठी बांये हाथ की कनिष्ठिका या मध्यमा अंगुली में पहनें।
2. खाली घड़ा ढक्कन लगा कर जल प्रवाह करें।

## गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको अगर कोई शारीरिक कष्ट होता है तो अपने आप टल जायेगा, पिता/ससुर का सुख मिलेगा, भाई-बंधु आपके धन का उपभोग करेंगे। धन, आयु की वृद्धि होगी। गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। आपके कामों में कोई रुकावट नहीं आएगी। यदि आप साध्वी भी बन जायेगी तो दुःखी न रहेंगे।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पीले वस्त्र पहनने वाले साधू से दूर रहें।
2. घर में तुलसी, घंटी, ठाकुर न रखें।

## शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी बुद्धि भ्रमित हो सकती है। आपकी या पति के पैरों में या ऐड़ियों में दर्द, पति के साथ झगड़ा न करें। काम शक्ति में कमी या पुरुष के गुप्तांगों में रोग रह सकता है, पुत्र संतान की चिंता रहेगी। धन चोरी या गुम हो सकता है इसके पीछे किसी पुरुष का हाथ होगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा गिर सकती है।

शुक्र की अशुभता दूर करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पति लाल दवाई से गुप्तांग धोएं।
2. शुद्ध ठोस चांदी घर में रखें।

## शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष डाक्टर/कैमिस्ट से संबंधित कामों से हानि होगी। हथियार पास न रखें गुस्से में आप दूसरों पर वार कर सकते हैं। चोर-डाकू के संगति से बचें। दूसरे लोगों से झगड़ा करना आपके लिये शुभ नहीं है। मकान-जायदाद बिक सकती है मगर आने वाले समय में फिर बन जाएगी।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. कपिला गाय (काली गाय) की सेवा करें।
2. मिट्टी के बर्तन में शहद भर कर वीराने में रखें।
3. मकान के मुख्य द्वार की दहलीज की पूजा करें।

## राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष बिना सोचे-समझे या शेख चिल्ली की तरह कार्य करेंगी तो आपको हानि होगी, दीवानी या फौजदारी मुकददमें में न उलझें। रात्रि समय नींद का सुख कम मिलेगा। बिना सोचे-समझे कोई कार्य न करें। परिवार का अतिरिक्त बोझ आप पर हो सकता है। धन का व्यय परिवार की बेहतरी या शुभ कामों पर होगा।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. घर के आखिर में अंधेरी कोठरी बनावें।
2. शुद्ध चांदी का ठोस हाथी (चांदी की प्लेट पर खड़ा करके) घर में रखें।
3. शुद्ध चांदी का चौरस टुकड़ा में सूराख करके सफेद धागे में पिरो कर गले में पहनें।

## केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष प्रगति मिले ऐसी संभावना है। तबदीली का चांस कम है। यात्रा से लाभ होगा। प्रदेश में भी कुछ समय व्यतीत हो सकता है। अपनी संतान के साथ या उसकी सलाह से कोई काम करेंगी तो आपको अधिक लाभ होगा। आप जिसको पुत्र पैदा होने का आशीर्वाद देंगे उसके घर पुत्र पैदा होगा।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चोर-डाकू का साथ न रखें।
2. कुत्ते को चोट न मारे।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- नीम का पानी घर पर रखें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



# लाल किताब वर्षफल 2027-2028

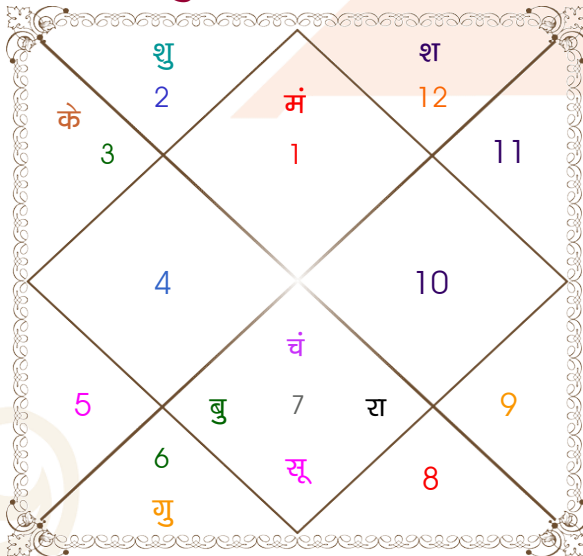
वर्तमान आयु - 36  
वर्तमान दशा - बुध

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	हाँ	मन्दा
केतु	--	हाँ	--	मन्दा

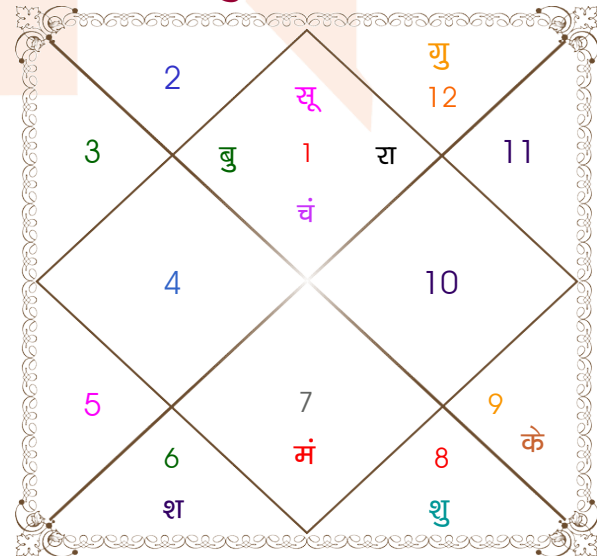
## भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	हाँ	--	--	हाँ	--	हाँ	--	--

## वर्ष कुंडली 2027 - 2028



## वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



## लाल किताब वर्षफल 2027-2028

### सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सरकारी विभाग से परेशानी होगी तथा गृहस्थ जीवन में कुछ क्लेश का अनुभव करेंगी। अधिक गुस्सा करना, खुदगर्जी, खुशामद करवाना आपके पतन का कारण बन सकता है, भागीदार से विरोध या झगड़ा हो सकता है। आप दुकानदार या प्राइवेट नौकरी करते हैं तो नर्म स्वभाव रखें, सरकारी अधिकारी हैं तो गर्म स्वभाव रखना चाहिए।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. रात्रि समय खाना बनाने के बाद गैस चूल्हा या चूल्हा/अंगीठी की आग को दूध के छीटे देकर बुझाएं। वह बुझा हुआ गैस चूल्हा या अंगीठी/चूल्हा सूर्योदय से पहले न जलावें।
2. कार्य पर जाने कार्य शुरू करने से पहले चीनी खा कर पानी पी कर जावें।

### चंद्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों में अधिक सफलता नहीं मिलेगी। चाल चलन खराब रखेंगे तो धन हानि का कारण बनेंगे। दूध और पानी मोल बेचने से धन, परिवार या संतान की चिंता बढ़ेगी। पति से दूरी या संबंध विच्छेद का भय रहेगा। विदेश यात्रा या विदेश से संबंधित कामों में हानि का भय रहेगा।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूध या पानी का दान करें।
2. इस वर्ष विवाह का योग हो तो विवाह से पहले पति के घर जाने से पहले अपने वजन के बराबर चावल या दरिया का पानी घर में कायम करायें।
3. शुद्ध ठोस चांदी घर में कायम रखें।

### मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष साहसी और शूरवीर बनेंगी, बुरे व्यक्ति के साथ भी नेकी का सलूक करेंगी, बड़े बहन-भाई/देवरानी-जेठानी, ननद से लाभ मिल सकता है। दूसरे व्यक्ति द्वारा की गई नेकी को सदा याद रखेंगी। परिवार और समाज को सच्चाई और नेकी की राह पर चलने की सलाह देंगी, कंप्यूटर आदि के कामों से लाभ मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, दान या गिफ्ट न लेवें।
2. हाथी दांत कायम करें।

### बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष परिवार में सम्मान मिलेगा, विदेश यात्रा या विदेश से लाभ का योग है। पुरुषों से सम्बन्धित कामों से या पति से लाभ मिलेगा। कपड़े, डाक्टरी के कामों से अधिक लाभ मिल सकता है। आपकी कलम में तलवार से भी अधिक ताकत होगी। बेटी-बहन, ननद, देवरानी या जेठानी से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना सींग वाली गाय या बकरी घर में न रखें।
2. हरी घास घर में न लगावें।

### गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष नकद धन की कमी नहीं होगी। हर चीज़ बिना मांगे आपको मिल सकती है। कम मेहनत अधिक लाभ। शत्रु अपने आप नष्ट हो जाएंगे या शत्रुओं पर आपकी जीत होगी, बुजुर्गों के नाम पर दान करेंगी या धर्मार्थ चीज़ें बनवायेंगी। हर समय अपने कामों को निपटाने के लिये ध्यान देना पड़ेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. कर्ज/दान या गिफ्ट न लेवें या भीख न मांगें।
2. आवारा न घूमें।

### शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। जिससे दिन दुगनी, रात चौगुनी तरक्की होगी। ईश्वर पर भरोसा रहेगा जिससे आपके सभी काम पूर्ण होंगे। साधवी वेश में आशिकाना ख्याल रहेंगे। चरित्र सुधार कर रखेंगे। प्रेम संबंधों में धोखा हो सकता है इसलिये प्रेम संबंध के चक्कर से बचें।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पशुओं पर जुल्म न करें।

2. शेर मुंह मकान में रिहाइश न करें।

### शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष धन व्यय अधिक होगा और वह भी परिवार के शुभ कामों पर, सरकारी विभाग और मुकदमों में जीत होगी। आपको रात्रि का पूरा आराम मिलेगा। साधना या अध्यात्म में आपकी रुचि रहेगी तो वह आपको हानिकारक हो सकती है। शराब पीना, मांस-मछली खाना आपके लिये हानिकारक है। मकान सुख मिलेगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूसरों के माल पर नजर न रखें।

### राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बिजली या पुलिस विभाग से संबंधित कामों में हानि का भय, ट्रांसपोर्ट का काम करने से हानि या आयु शक्की हो सकती है। साझेदार से झगड़ा। कारोबार में उथल-पुथल भी हो सकती है। पति को सिर दर्द का रोग हो सकता है। पति से तनाव या पति से जुदाई भी हो सकती है।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. सूखा नारियल (बजने वाला) जल प्रवाह न करें।
2. शुद्ध चांदी की दो ईंटे घर में कायम करें।
3. प्लास्टिक की डिब्बी में शुद्ध चांदी का चौरस टुकड़ा रख कर गंगा जल भर कर रखें।

### केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से इस वर्ष दूसरों की सलाह लेना आपके लिये ठीक नहीं। आवारा घूमना या भाई से दूर प्रदेश में जीवन व्यतीत करना ठीक नहीं, शरीर पर फोड़े-फुंसी की शिकायत भी हो सकती है। किसी के किये पेशाब पर पेशाब करना आप को आप को गुप्तांग में रोग और शरीर कष्ट देगा या संतान सुख की चिंता रहे ऐसा भी संभव है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. कानों में शुद्ध सोने की ननतियां पहनें।
2. शरीर पर शुद्ध सोना पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- शुद्ध चांदी की 2 ईंटे घर में लाकर रखें या प्लास्टिक की डिब्बी में 4 ग्राम चांदी का चौरस टुकड़ा रखें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)



## लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।